टिप्पणी

34

रोकड़ प्रवाह विवरण

पिछले पाठ में आप वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के विभिन्न प्रकारों एवं उसकी विधियों के संबंध में जान चुके हैं। ये विधियाँ हैं : तुलनात्मक विवरण, समान आकारीय विवरण एवं प्रवृत्ति विश्लेषण आदि। आप तरलता, क्रियाशीलता, लाभप्रदत्ता, शोधन क्षमता जैसे लेखांकन अनुपातों के संबंध में जान चुके हैं। आपने सीखा कि खाते मुख्य रूप से उपार्जन के आधार पर तैयार किए जाते हैं, लेकिन रोकड़ की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रोकड़ का सृजन मुख्यतः परिचालन कार्यों के लिए किया जाता है। यह कार्य हैं, संपत्तियों का क्रय एवं देयताओं का भुगतान, रोकड़ ऋणपत्रों के निर्गमन अथवा ऋणों के माध्यम से भी जुटाई जाती है। समय पड़ने पर उपयोग के लिए पर्याप्त रोकड़ उपलब्ध होनी चाहिए तथा रोकड़ बिना उपयोग के भी नहीं रहनी चाहिए। इसके लिए विश्लेषण की एक और पद्धति का उपयोग किया जाता है, जिसे रोकड़ प्रवाह विवरण (Cash flow statement) कहते हैं। इस पाठ में रोकड़ प्रवाह विवरण एवं इसको बनाने की पद्धतियों के संबंध में पढ़ेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के पश्चात आप

- रोकड़ प्रवाह विवरण का अर्थ बता सकेंगे;
- रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्यों को समझा सकेंगे;
- प्रारूप के अनुरूप रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की पद्धति को समझा सकेंगे;
- रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमाओं को बता सकेंगे।

34.1 अर्थ एवं उद्देश्य

किसी भी व्यवसाय के आर्थिक जीवन में रोकड़ की अत्याधिक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किसी भी इकाई को अपने आपूर्तिकर्ताओं का भुगतान करने, दिन प्रति-दिन के

टिप्पणी

खर्चों को पूरा करने एवं वेतन, मजदूरी, ब्याज एवं लाभांश का भुगतान करने के लिए नकद राशि की आवश्यकता होती है। व्यावसायिक इकाई के लिए रोकड़ का वही महत्व है जो शरीर के लिए खून का होता है। इसलिए व्यवसाय के लिए पर्याप्त मात्रा में रोकड़ शेष रखना अति आवश्यक है। उदाहरण के लिए माना कि एक व्यावसायिक इकाई लाभ में चल रही है, लेकिन उसके पास लाभांश का भुगतान करने के लिए पर्याप्त रोकड़ नहीं है। इससे अंशधारकों एवं जन साधारण को क्या संदेश जा रहा है? इसलिए, रोकड़ का प्रबंधन अतिआवश्यक है। रोकड़ एवं रोकड़तुल्यों के प्रवाह पर ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। बैंक अधिविकर्ष, अल्प अवधि जमा एवं विपणन योग्य प्रतिभूतियाँ रोकड़ तुल्य हैं।

रोकड़ प्रवाह विवरण में रोकड़ प्रवाह से संबंधित लेखा होता है जिसमें रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य मदें सम्मिलित होती हैं। यह विवरण वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं के लिए एक अतिरिक्त सूचना प्रदान करता है। यह विवरण रोकड़ के आगम एवं निर्गमन को दर्शाता है। यह विवरण उद्यम की रोकड़ जुटाने एवं इसके उपयोग की क्षमता का आकलन करता है। अतः रोकड़ प्रवाह विवरण की परिभाषा इस प्रकार से दी जा सकती है :

यह एक अवधि विशेष से संबंधित रोकड़ के अंतप्रवाह एवं बाह्य प्रवाह का संक्षिप्त स्वरूप है, जो लेन-देन व्यावसायिक इकाई की रोकड़ में वृद्धि करते हैं उन्हें रोकड़ का अन्तप्रवाह कहते हैं तथा जो रोकड़ में कमी लाते हैं उन्हें रोकड़ का बाह्य प्रवाह कहते हैं। यह फर्म की रोकड़ स्थिति में परिवर्तन के कारणों की भी व्याख्या करता है। रोकड़ प्रवाह अर्न्तप्रवाह एवं बाह्यप्रवाह होते हैं। रोकड़ प्रवाह विवरण से उन विभिन्न स्रोतों की पहचान की जाती है जिनसे रोकड़ प्राप्त होती है जैसे परिचालन क्रियाएँ, चालू एवं स्थाई संपत्तियों का विक्रय, ऋणपत्र, पूर्वाधिकार अंश एवं दीर्घ अवधि ऋणों का नकद भुगतान कर शोधन, संक्षेप में, रोकड़ प्रवाह विवरण एक निर्धारित अवधि के दौरान रोकड़ की प्राप्ति एवं उसके उपयोग को दर्शाता है। रोकड़ प्रवाह विवरण के कई उददेश्य हैं जो इस प्रकार है :

- रोकड़ प्रवाह विवरण परिचालन क्रियायों से नकद राशि के सृजन को प्रमुख रूप से दर्शाता है।
- रोकड़ प्रवाह विवरण ऋण भुगतान की समय सारिणी एवं स्थायी संपत्तियाँ के प्रतिस्थापन की योजना बनाने में सहायता प्रदान करता है।
- रोकड़ प्रत्येक वित्तीय निर्णयों का केंद्र होता है। इसका उपयोग उद्यम के भविष्य की विनियोग करने एवं वित्तीयत योजनाओं को बनाने के आधार के रूप में किया जाता है।
- रोकड़ प्रवाह विवरण फर्म की तरलता की स्थिति के श्रेष्ठतर निर्धारण में सहायक होता है। बैंक एवं वित्तीय संस्थान अधिकांश रूप से ऋण लेनेवाली फर्म की तरलता के विश्लेषण के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण को प्राथमिकता देते हैं।

टिप्पणी

- रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ के सुचारू एवं प्रभावी प्रबंधन में सहायक होता है।
- प्रबन्ध सामान्यतः आन्तरिक रूप से निर्मित रोकड़ को समझने के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण की जाँच करता है जिसका लाभांश का भुगतान करने के लिए सर्वोत्तम उपयोग किया जाता है।
- ए.एस. 3 (संशोधित) पर आधारित रोकड़ प्रवाह विवरण परिचालन, निवेश एवं वित्तीय क्रियाओं में अलग-अलग उसके प्रवाह एवं उपयोग को प्रस्तुत करता है।
- यह फर्म की रोकड़ की स्थिति के मूल्यांकन में बहुत उपयोगी रहता है।

संशोधित लेखांकन मानक (ए.एस.-3) के अनुसार रोकड़ एवं उपयुक्त शब्द

लेखांकन मानक बोर्ड (Accounting Standards Board) द्वारा जारी संशोधित लेखांकन मानक 3 (ए.एस.–3) के अनुसारः

1. (क) नकद कोष :

नकद कोष में सम्मिलित है :
- (i) हस्तस्थ रोकड़
- (ii) बैंकों में मांग जमा राशि
- (iii) रोकड़ तुल्य मदें

(ख) रोकड़ तुल्य से आशय अल्प कालीन एवं अति तरल विनियोगों से होता है जो कि तुरंत रोकड़ की ज्ञात राशियों में परिवर्तनीय हों और उनके मूल्य में परिवर्तन का जोखिम महत्वहीन हो।

2. रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यों के आन्तरिक प्रवाह एवं बाह्य प्रवाह रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ के आन्तरिक प्रवाह एवं रोकड़ के बाह्य प्रवाह तीन मुख्य वर्गों को दर्शाता है : परिचालन, विनियोजन एवं वित्तीय क्रियाएँ :

(क) परिचालन क्रियाएँ (Operating activities) उपक्रम की प्रमुख आगम देने वाली क्रियाएँ होती हैं।

(ख) विनियोजन क्रियाओं (Inverting activities) में दीर्घ अवधि संपत्तियों एवं अन्य निवेश जो रोकड़ तुल्यों में सम्मिलित नहीं हैं को अधिग्रहण एवं उनका विक्रय सम्मिलित होता है।

(ग) वित्तीय क्रियाएँ (Financing activities) वह क्रियाएँ होती है जिनसे स्वामी की पूँजी (कम्पनी के भाग लेने पूर्वाधिकार अंश सम्मिलित हैं) तथा उपक्रम के ऋणों के आकार एवं संरचना में परिवर्तन आते हैं।

लेखांकन मानक (संशोधित)–3 के अनुसार अन्तप्रवाह एवं बाह्यप्रवाह इस प्रकार है :

परिचालन क्रियाएँ

रोकड़ अन्तर्वाह
- नकद बिक्री
- देनदारों से रोकड़
- कमीशन एवं फीस से प्राप्त रोकड़
- रायल्टी एवं अन्य आगम

रोकड़ बाहिर्वाह
- नकद क्रय
- लेनदारों को भुगतान
- नकद परिचालन व्यय
- मजदूरी का भुगतान
- आयकर

विनियोजन क्रियाएँ

रोकड़ अन्तर्वाह
- स्थायी संपत्तियों का नकद विक्रय
- विनियोगों का विक्रय
- प्राप्त ब्याज
- लाभांश प्राप्ति

रोकड़ बाहिर्वाह
- स्थायी संपत्तियों का नकद क्रय
- विनियोग का क्रय

वित्तीय क्रियाएँ

रोकड़ अन्तर्वाह
- अंशों के निर्गमन से रोकड़
- ऋणपत्रों के निर्गमन से रोकड़
- दीर्घकालीन ऋण एवं अल्पकालीन उधार से प्राप्ति

रोकड़ बाहिर्वाह
- ऋणों का नकद भुगतान
- ऋण एवं ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान
- समता एवं पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांशों का भुगतान

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 34.1

उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

i. रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ के प्रवाह का व्यवहार करता है जिसमें रोकड़ एवं ..... सम्मिलित हैं।

ii. रोकड़ प्रवाह विवरण एक.....विवरण है।

iii. रोकड़ प्रवाह विवरण .....एवं.....को एक निश्चित अवधि में दर्शाता है।

iv. संशोधित लेखांकन मानक–3 (AS-3 Revised) के अनुसार नकद कोष में बैंक में जमा एवं ..... सम्मिलित हैं।

34.2 रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की विधियाँ

रोकड़ प्रवाह बनाने की दो विधियाँ हैं। दोनों विधियों में तीनों अनुभाग-परिचालन, विनियोग एवं वित्तीय के अन्तिम योग एवं उपयोग एक समान ही होते हैं। अन्तर केवल परिचालन क्रियायों से रोकड़ के प्रवाह से संबंधित सूचना की प्रस्तुति के स्वरूप में है।

वर्ष समाप्ति के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण का प्रारूप
(संशोधित लेखांकन मानक 3 के अनुसार)

	विवरण		₹
(i)	परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह	xxx	xxx
	लाभ-हानि खाता के अनुसार शुद्धलाभ अथवा लाभ-हानि खाते के अंतिम शेष एवं प्रारंभिक शेष का अंतर		
	जमा : संचय में हस्तांतरण	xxx	
	चालू वर्ष के लिए प्रस्तावित लाभांश	xxx	
	वर्ष के दौरान अंतरिम लाभांश का भुगतान	xxx	
	चालू वर्ष में करने के लिए प्रावधान	xxx	
	लाभ-हानि खाते के लाभ लिखी गई विशिष्ट मद यदि कोई है तो	xxx	
		xxx	xxx
	घटा : लाभ-हानि खाते में हस्तांतरित अति विशिष्ट मद, यदि कोई है तो	xxx	
	लाभ-हानि खाते के जमा में लिखे गए कर की वापसी	xxx xxx	xxx

टिप्पणी

(क)	गैर रोकड़ एवं गैर परिचालन मदों के लिए समायोजित कर एवं अतिविशिष्ट मदों से पूर्व का शुद्ध लाभ	xxx	xxx
(ख)	**जमा :**		
	– अवक्षयण	xxx	
	– प्रारांभिक व्यय अपलिखित	xxx	
	– अपलिखित अंशों एवं ऋणपत्रों के जारी किए जाने पर बट्टा	xxx	
	– उधार ली गई राशि एवं ऋणपत्र पर ब्याज	xxx	
	– स्थाई सम्पत्तियों की बिक्री पर हानि	xxx	xxx
			xxx
(ग)	**घटा :**		
	– ब्याज आय की प्राप्ति	xxx	xxx
	– लाभांश आय प्राप्ति	xxx	
	– किराया आय प्राप्ति	xxx	
	– स्थाई संपत्ति की बिक्री पर लाभ	xxx	xxx
			xxx
(घ)	कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व संचालन लाभ (क + ख + ग)	xxx	
			xxx
(ङ)	चालू सम्पत्तियों एवं चालू देयताओं में वृद्धि		xxx
(च)	**घटा :** चालू सम्पत्तियों में वृद्धि एवं चालू देयताओं में कमी		xxx
(छ)	परिचालन से रोकड़ का सृजन (घ + ङ – च)		xxx
(ज)	**घटा :** आयकर का भुगतान (शुद्धकर की वापसी प्राप्त को घटाकर)		xxx
(झ)	अतिविशिष्ट मदों के पूर्व का रोकड़ प्रवाह		
	अतिविशिष्ट मदों का समायोजन (+/–)		xxx
(i)	परिचालन क्रियाओं से शुद्ध रोकड़ प्राप्त		xxx
(ii)	विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		xxx
	जमा :		
	– स्थाई सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि		xxx
	– विनियोगो की बिक्री से प्राप्त राशि		xxx
	– अमूर्त संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि		xxx
	– ब्याज एवं लाभांश से प्राप्ति		xxx

टिप्पणी

	घटा :		
	– किराए से आय	xxx	
	– स्थाई संपत्तियों का क्रय	xxx	
	– निवेश का क्रय	xxx	
	– अमूर्त संपत्तियों, जैसे कि ख्याति का क्रय		
	समायोजित असाधारण मदें (+/–)	xxx	xxx
(iii)	वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		
	जमा :		
	अंश एवं ऋणपत्रों के निर्गमन से प्राप्तियाँ	xxx	
	अन्य दीर्घ अवधि ऋणों से प्राप्तियाँ	xxx	
		xxx	
	घटा :		
	अंतिम लाभांश का भुगतान	xxx	
	अंतरिम लाभांश का भुगतान	xxx	
	ऋणपत्र एवं ऋणों पर ब्याज का भुगतान	xxx	
	ऋणों की वापसी	xxx	
	ऋणपत्र एवं पूर्वाधिकार अंशों का शोधन	xxx	
	समायोजित असाधारण मदें (+/–)	xxx	xxx
	वित्तीय क्रियायों से शुद्ध रोकड़ प्रवाह (उपयोग)		xxx
			xxx
(iv)	शुद्ध कमी रोकड़ एवं रोकड़ तुल्यों में शुद्ध वृद्धि (i + ii + iii)		
	जमा : वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		
	– हस्तस्थ रोकड़	xxx	
	– बैंक में रोकड़/बैंक अधिविकर्ष	xxx	
	– अल्प अवधि जमा	xxx	
	– विपणनीय प्रतिभूतियाँ	xxx	
(v)	**घटा :** वर्ष अंत में रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		
	– हस्तस्थ रोकड़	xxx	
	– बैंक में रोकड़ (अथवा बैंक अधिविकर्ष)	xxx	
	– अल्पअविध जमा	xxx	
	– परिचालन से रोकड़ प्रवाह	xxx	xxx
			xxx

टिप्पणी

रोकड़ प्रवाह के सम्बन्ध में कुछ तथ्य :

(i) केवल सूचिकृत कम्पनियों के लिए ही रोकड़ प्रवाह विवरण बनाना एवं प्रस्तुत करना आवश्यक है।

(ii) रोकड़ प्रवाह विवरण की लेखांकन अवधि वही होती है जिस अवधि के लिये लाभ हानि खाता एवं स्थिति विवरण बनाया जाता है।

(iii) रोकड़ प्रवाह की मदे हैं (क) परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह (ख) विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह (ग) वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह

(iv) परिचालन क्रियायों में विनियोजन एवं वित्तीय क्रियाओं को छोड़कर अन्य क्रियाएँ सम्मिलित होती है।

(v) परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना करने की दो विधियाँ हैं (1) प्रत्यक्ष विधि एवं (2) अप्रत्यक्ष विधि। S.E.B.I (Security Exchange Board of India) भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड के दिशा निर्देश केवल प्रत्यक्ष विधि की संतुति करते हैं।

(vi) असाधरण मदें : असाधारण मदों से संबंधित रोकड़ प्रवाह को परिचालन, विनियोजन एवं वित्तीयन क्रियाओं से उत्पन्न वर्गों में बाँटा जाता है। उदाहरण के लिए स्टॉक की हानि अथवा भूचाल में हानि के बदले में बीमा कम्पनी से प्राप्त राशि को परिचालन क्रियाओं से प्रवाह माना जाना चाहिए।

पाठगत प्रश्न 34.2

उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) केवल ..... कम्पनियाँ ही रोकड़ प्रवाह विवरण बनाती है।

(ii) परिचालन से रोकड़ प्रवाह की गणना की दो विधियाँ हैं। (a) प्रत्यक्ष विधि एवं (b) ..... विधि

34.3 रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार करना

(i) परिचालन क्रियाएँ (Operating Activities)

परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह मूल रूप से उपक्रम की आगम उत्पन्न करने वाली मुख्य क्रियाओं से उत्पन्न होते हैं। परिचालन क्रियाओं से संबंधित रोकड़ प्रवाहों की कुछ मदें इस प्रकार हैं :

(i) माल के विक्रय एवं सेवा प्रदान करने से रोकड़ प्राप्ति।

(ii) अधिकार शुल्क (रायल्टी), फीस, कमीशन एवं अन्य आगम प्राप्तियाँ।

(iii) माल एवं सेवाओं के आपूर्तिकर्ताओं को नकद भुगतान।

टिप्पणी

(iv) कर्मचारियों को नकद भुगतान

(v) आयकर का नकद भुगतान अथवा वापसी परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह निर्धारण

परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह ज्ञात करने के दो चरण होते हैं :

चरण I

कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व पचिालन लाभ की गणना। यह गणना नीचे दिए गए रूप में की जा सकती है :

कर एवं असाधारण मदों से पूर्व का शुद्ध लाभ	xxx	
जमा : गैर नकद एवं गैर परिचालन मदें जिन्हें पहले ही लाभ हानि खाते के नाम लिखा जा चुका है अर्थात् अवक्षयण	xxx	
अमूर्त संपत्तियों का परिशोधन	xxx	
स्थाई संपत्तियों की बिक्री पर हानि	xxx	
दीर्घ अवधि निवेशों की बिक्री पर हानि	xxx	
कर के लिए प्रावधान	xxx	
लाभांश का भुगतान	xxx	xxx
घटा : गैर-रोकड़ एवं गैर-परिचालन मदें जिन्हें पहले ही लाभ-हानि खाते के जमा में लिखा जा चुका है जैसे कि		
स्थाई संपत्तियों की बिक्री से लाभ	xxx	
दीर्घ अवधि निवेष की बिक्री से लाभ	xxx	xxx
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व का परिचालन लाभ		xxx

चरण II

चरण I के अनुसार कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व का परिचालन लाभ ज्ञात करने के पश्चात् चालू संपत्तियों एवं चालू देयताओं में वृद्धि अथवा कमी का समायोजन करें।

चालू संपत्तियों एवं देयताओं के समायोजन के समय निम्नलिखित सामान्य नियम लगाए जाएँगे।

(क) चालू संपत्तियाँ

(i) चालू संपत्तियों की मदों में वृद्धि के कारण रोकड़ अंतर्वाह (inflow) में कमी आती है क्योंकि चालू संपत्तियों में रोकड़ अवरूद्ध हो जाती है।

(ii) चालू संपत्ति की मद में कमी से रोकड़ अंतर्वाह (inflow) में वृद्धि होती है चालू संपत्तियों से रोकड़ प्राप्त होती है।

(ख) चालू देयताएँ

(i) चालू देयता की मद में वृद्धि से रोकड़ के बाहिर्वाह (outflow) में कमी आती है क्योंकि इससे रोकड़ की बचत होती है।

(ii) चालू देयता की मद में कमी से रोकड़ के बाहिर्वाह (outflow) में वृद्धि होती है, क्योंकि इसमें देयता का भुगतान किया जाता है।

अतः,

परिचालन से रोकड़ = चालू पूँजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ + चालू संपत्तियों में शुद्ध कमी + चालू देयताओं में शुद्ध वृद्धि – चालू संपत्तियों में शुद्ध वृद्धि एवं चालू देयताओं में शुद्ध कमी

उदाहरण 1

आय विवरण के अनुसार वर्ष की शुद्ध आय ₹ 1,10,000 थी, तथा स्थाई संपत्तियों पर अवक्षयण ₹ 44,000 था। चालू संपत्तियों एवं चालू देयताएँ वर्ष के प्रारंभ एवं वर्ष के अंत में निम्न नीचे दिए अनुसार थी। परिचालन क्रियायों से रोकड़ की गणना कीजिए।

चालू मदें	*वर्ष की समाप्ति पर राशि (₹)*	*वर्ष के प्रारंभ में राशि (₹)*
रोकड़	1,30,000	1,40,000
देनदार	2,00,000	1,80,000
स्टॉक	2,90,000	3,00,000
पूर्वदत्त व्यय	15,000	16,000
देय विपत्र	1,02,000	1,16,000

टिप्पणी

हल :

परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह (Cash from operating activities)

विवरण			*राशि (₹)*
शुद्ध आय		1,10,000	
गैर रोकड़ एवं गैर परिचालन मदों के लिए समायोजन			
जमा अवक्षयण		44,000	
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ		1,54,000	
चालू संपत्तियाँ :			
जमा :	(क) स्टॉक में कमी	10,000	
	(ख) पूर्वदत्त व्ययों में कमी	1,000	11,000
घटाने से पूर्व योग			1,65,000
घटा :	(क) देनदारों में वृद्धि चालू देयताएँ	(20,000)	
	(ख) देय खातों में कमी	(14,000)	34,000
परिचालन क्रियाओं से शुद्ध रोकड़			1,31,000

(ii) विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह

विनियोजन क्रियाएँ वह क्रियाएँ हैं जो स्थाई एवं दीर्घ अवधि संपत्तियों एवं निवेशों के क्रय एवं विक्रय पर प्रभाव डालती हैं।

विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह के उदाहरण हैं :

1. स्थाई संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए नकद भुगतान।
2. स्थाई संपत्तियों से नकद प्राप्तियाँ।
3. अंश एवं ऋणपत्र निवेशों को प्राप्त करने के लिए नकद भुगतान।
4. तृतीय पक्षों को दिए गए अग्रिम एवं ऋणों के भुगतान से नकद प्राप्तियाँ।

अतः विनियोजन क्रियाओं से नकद रोकड़ अन्तर्वाह (inflow) इस प्रकार है :

- संयन्त्र एवं मशीनरी, भूमि एवं भवन, फर्नीचर, ख्याति आदि की बिक्री ।
- अन्य कम्पनियों के अंश एवं ऋणपत्रों में निवेश की नकद बिक्री
- तृतीय पक्षों को दिए गए ऋणों की मूल राशि से एकत्रित नकद प्राप्तियाँ

विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ बहिर्वाह (outflow)

- स्थाई संपत्तियों का क्रय जैसे कि भूमि, भवन, फर्नीचर, मशीनरी आदि
- अमूर्त संपत्तियों का क्रय जैसे कि ख्याति, ट्रेडमार्क आदि
- अंश एवं ऋणपत्रों का क्रय
- सरकारी बाण्डों का क्रय
- अन्य लोगों के ऋण

उदाहरण 2

नीचे दी गई सूचना से विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना कीजिए

विवरण	*प्रारंभिक*	*अंतिम*
मशीनरी (लागत)	4,00,000	4,20,000
संचित अवक्षयण	1,00,000	1,10,000
पेटेन्ट्स	2,80,000	1,60,000

अतिरिक्त सूचना

(i) वर्ष के दौरान ₹ 40,000 लागत वाली मशीन ₹ 20,000 में बेची जिस पर संचित अवक्षयण ₹ 24,000 था।

(ii) ₹ 40,000 के पेटेन्ट अपलिखित किए गए तथा कुछ पेटेन्ट ₹ 20,000 लाभ पर बेच दिए।

हल :

विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह

विवरण	*राशि (₹)*
मशीनों की बिक्री से अन्तर्वाह	20,000
पेटेन्ट्स की बिक्री से अन्तर्वाह	1,00,000
कुल अन्तर्वाह	1,20,000
मशीनरी के क्रय पर बहिर्वाह (outflow)	60,000
विनियोजन क्रियायों से शुद्ध रोकड़ प्रवाह	60,000

टिप्पणी

कार्यकारी टिप्पणीयाँ

मशीनरी खाता

विवरण	₹	विवरण	₹
शेष आ/ले	4,00,000	बैंक (अन्तर्वाह)	20,000
लाभ हानि खाता (बेची गई मशीन पर लाभ)	4,000	संचित अवक्षयण (बेची गई मशीन पर अवक्षयण)	24,000
बैंक खाता	60,000	शेष आ/ले	4,20,000
	4,64,000		4,64,000

पेटेन्ट खाता

विवरण	₹	विवरण	₹
शेष आ/ला	2,80,000	बैंक खाता (अन्तबहि) (शेष राशि)	1,00,000
लाभ-हानि खाता (लाभ)	20,000	लाभ हानि खाता	40,000
		शेष आ/ले	1,60,000
	3,00,000		3,00,000

(iii) वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह

रोकड़ प्रवाह विवरण का तीसरा अनुभाग गैर-चालू अथवा दीर्घ कालीन देयताओं एवं अंश पूँजी क्रियाओं पर नकद भुगतान एवं प्राप्ति के संबंध में बताता है। वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह के उदाहरण है :

- अंश अथवा इसी प्रकार के अन्य प्रलेखों के निर्गमन से रोकड़ प्राप्ति
- ऋणपत्रों का निर्गमन, ऋण, विपत्र, बाँड एवं अन्य अल्पअवधि उधारों से रोकड़ प्राप्ति।
- ऋण की राशि का नकद भुगतान

वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ अन्तर्वाह इस प्रकार से हैं :

- समता एवं पूर्वाधिकार अंश पूँजी का केवल नकद निर्गमन
- ऋणपत्र, बाँड एवं दीर्घ अवधि विपत्रों को केवल नकद निर्गमन

वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ बहिर्वाह इस प्रकार है :

- अंशधारियों को लाभांश का भुगतान
- ऋणों का शोधन अथवा वापस करना जैसे कि ऋणपत्र, बांड आदि।

- पूर्वाधिकार अंश पूँजी का शोधन
- समता अंशो का पुनः क्रय

उदाहरण 3

निम्न लिखित सूचना से वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना कीजिए:

विवरण	*31.12.2013 (₹)*	*31.12.2014 (₹)*
समता अंश पूँजी	4,00,000	5,00,000
10 प्रतिशत ऋणपत्र	1,50,000	1,00,000
प्रतिभूति प्रीमियम	40,000	50,000

अतिरिक्त सूचना : ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान ₹ 10,000 हुआ।

हल :

विवरण		*(₹)*
अंशो के निर्गमन से रोकड़ प्राप्ति (प्रीमियम को सम्मिलित कर)		1,10,000
ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान	10,000	
ऋणपत्रों का शोधन	50,000	(60,000)
वित्तीयन क्रियाओं से शुद्ध रोकड़ प्रवाह		50,000

उदाहरण 4

निम्नलिखित को परिचालन क्रिया विनियोजन क्रिया एवं वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह में वर्गीकृत कीजिए :

(क) माल की नकद बिक्री

(ख) कच्चेमाल के आपूर्तिकर्त्ताओं को नकद भुगतान

(ग) कर्मचारियों को वेतन एवं मजदूरी का नकद भुगतान

(घ) स्थाई संपत्तियों के क्रय पर नकद भुगतान

(ङ) अंशों के प्रीमियम पर निर्गमन से नकद प्राप्ति

(च) लाभांश का भुगतान

(छ) निवेश पर ब्याज की प्राप्ति

(ज) ऋणपत्रों पर ब्याज

टिप्पणी

(झ) आय कर का भुगतान

(ञ) दीर्घअवधि ऋण का नकद भुगतान

हल :

(अ) परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह

(क) **माल की नकद बिक्री :** स्टॉक अथवा माल की बिक्री की सामान्यत व्यावसायिक क्रिया (रोकड़ अन्तर्वाह)

(ख) **कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं को नकद भुगतान :** माल के क्रय का नियमित भुगतान (रोकड़ बाहिर्वाह)

(ग) **वेतन एवं मजदूरी का नकद भुगतान :** कर्मचारियों को उनकी कार्यालयी सेवाओं के लिए नकद भुगतान (रोकड़ बाहिर्वाह)

(i) **आय कर का भुगतान :** व्यवसाय के आय पर कर का भुगतान (रोकड़ बहिर्वाह)

(ब) विनियोजन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह

(क) **स्थाई संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए नकद भुगतान :** दीर्घ अवधि संपत्तियों का क्रय (रोकड़ बाहिर्वाह)

(ख) **विनिवेश से ब्याज की प्राप्ति :** यह निवेश से आय होती है (रोकड़ बाहिर्वाह)

(स) वित्तीयन क्रियायों से रोकड़ प्रवाह

(क) अंशों के प्रीमियम पर निर्गमन से रोकड़ प्राप्ति (रोकड़ अंतर्वाह)

(ख) **लाभांशों का भुगतान :** इसका संबंध अंश पूँजी निर्गमन से होता है। (रोकड़ बाहिर्वाह)

(ग) **ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान :** ऋणगत पूँजी से संबंधित भुगतान (रोकड़ बाहिर्वाह)

(i) **दीर्घ अवधि ऋण का नकद भुगतान :** ऋण अथवा ऋणगत पूँजी का शोधन (रोकड़ बाहिर्वाह)

पाठगत प्रश्न 34.3

निम्नलिखित मदों को (i) परिचालन (ii) विनियोजन एवं (iii) वित्तीयन क्रियाओं में वर्गीकृत कीजिए।

(i) आयकर की वापसी

(ii) अंशधारी को लाभांश का भुगतान

(iii) भूमि एवं भवन का क्रय

टिप्पणी

(iv) संयंत्र का क्रय

(v) ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान

34.4 विशेष मदों का लेखाकरण

(i) Payment of Interim Dividend : निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाती है :

(क) अंतरिम लाभांश का भुगतान

(ख) वर्ष के दौरान अन्तरिम लाभांश की भुगतान की गई राशि को रोकड़ प्रवाह विवरणों में बाहिर्वाह (outflow) के रूप में दर्शाया जाता है।

(ग) परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्राप्ति के लिए इसे लाभ में वापस जोड़ दिया जाएगा।

(घ) परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह की गणना यदि शुद्ध लाभ की परिवर्तित रकम के आधार पर की जाती है तो किसी समायोजन की आवश्यकता नहीं होती है।

(ii) प्रस्तावित लाभांश (Proposed Dividend) : लाभांश की घोषणा सदा स्थिति विवरण को तैयार करने के पश्चात् साधारण सभा में की जाती है। इसलिए यह एक गैर-परिचालन मद मानी जाती है। परिचालन क्रियाओं से रोकड़ सृजन की गणना को प्रभावित करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। अतः प्रस्तावित लाभांश की राशि को चालू वर्ष के लाभ में वापस जोड़ दिया जाएगा तथा वर्ष के दौरान लाभांश के भुगतान को रोकड़ बाहिर्वाह (outflow) के रूप में दर्शाया जाएगा।

(iii) अंश पूँजी : अंशपूँजी में वृद्धि को रोकड़ का अंतर्वाह माना जाता है लेकिन तभी जब कि अंशपूँजी में वृद्धि हुई हो। उदाहरण के लिए यदि एक कम्पनी ₹ 10 प्रति के 10,000 समता अंशों का नकद निर्गमन करती है तो ₹ 1,00,000 का वित्तीयन क्रियाओं से अन्तर्वाह दिखाया जाएगा। इसी प्रकार से पूर्वाधिकार अंशों का शोधन रोकड़ का बाहिर्वाह होता है। लेकिन यदि अंशपूँजी का निर्गमन स्थाई संपत्तियों के क्रय के वित्तीयन के लिए किया गया है अथवा ऋणपत्रों को समता अंशों में परिवर्तित कर दिया गया है तो कोई रोकड़ प्रवाह नहीं होगा तथा बोनस अंशों के निर्गमन में कोई रोकड़ प्रवाह नहीं होता है।

(vi) स्थायी संपत्तियों का क्रय-विक्रय : तुलनात्मक स्थिति विवरणों में दो भिन्न तिथियों को स्थाई संपत्तियों की दिखाई गई मदें यह दर्शाती है कि वर्ष के दौरान स्थाई संपत्तियाँ खरीदी गई हैं अथवा बेची गई हैं। इससे रोकड़ का अन्तर्वाह अथवा बहिर्वाह का निर्धारण किया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि चालू वर्ष में संयंत्र एवं मशीनरी ₹ 60,000 है तथा पिछले वर्ष में यह राशि ₹ 5,000 तो कोई अन्य सूचना नहीं दी गई है तो यह परिणाम निकला कि वर्ष में ₹ 10,000 की स्थाई संपत्ति क्रय की गई है। अतः ₹ 10,000 रोकड़ बाहिर्वाह के रूप में दिखाए जाएँगे।

टिप्पणी

(v) **कर के लिए प्रावधान :** क्योंकि यह एक गैर-परिचालन व्यय होता है अथवा आय विवरण/लाभ-हानि खाते की समायोजन की मद है इसलिए परिचालन क्रियाओं से प्राप्त रोकड़ की राशि में से इसको घटाया नहीं जाना चाहिए। इसलिए यदि कर के पश्चात का लाभ दिया हुआ है तथा वर्ष के कर के लिए प्रावधान की राशि दी गई है तो यह चालू वर्ष के लाभ में वापस जोड़ दी जाएगी।

रोकड़ प्रवाह विवरण में कर के भुगतान को रोकड़ के बाहिर्वाह के रूप में अलग से दिखाया जाएगा। कर के लिए प्रावधान की मद को चालू संपत्ति नहीं माना जाएगा।

कभी-कभी कर के लिए प्रावधान के संबंध में उपलब्ध सूचना केवल प्रारंभिक स्थिति विवरण एवं अन्तिम स्थिति विवरण में दो मदों के रूप में होती है। ऐसा होने पर प्रारम्भिक स्थिति विवरण में दी गई राशि को रोकड़ का बाहिर्वाह एवं अन्तिम स्थिति विवरण में दी गई राशि को गैर-रोकड़ एवं गैर-परिचालन व्यय माना जाएगा तथा परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्राप्ति का निर्धारण करने के लिए इसे शुद्ध आय में जोड़ दिया जाएगा।

उदाहरण 5

बंसल प्रा.लि. की दो अलग-अलग तिथियों के स्थिति विवरण से निम्न सूचना प्राप्त हुई है :

विवरण	*2006 राशि (₹)*	*2007 राशि (₹)*
संपत्तियाँ		
संयंत्र एवं मशीनरी	13,50,000	14,40,000

यह भी बताया गया है कि वर्ष में अवक्षयण के लिए ₹ 60,000 का प्रावधान किया गया है। संपत्तियों में परिवर्तन को ज्ञात कीजिए तथा रोकड़ प्रवाह पर उसके प्रभाव को भी बताइए।

हल :

संपत्ति खाते पर प्रभाव की पहचान करने के लिए संयंत्र एवं मशीनरी खाता बनाना एक सही प्रक्रिया है जिसे नीचे दिखाया गया है :

संयंत्र एवं मशीनरी खाता

नाम जमा

विवरण	*₹*	*विवरण*	*₹*
शेष आ/ला.	13,50,000	अवक्षण (दिया गया है)	60,000
बैंक खाता (नई मशीन खरीदी गई)	1,50,000	शेष आ/ले.	14,40,000
	15,00,000		15,00,000

टिप्पणी

टिप्पणी

- निश्चित सूचना के अभाव में यह माना जा सकता है कि ₹ 1,50,000 की एक अतिरिक्त मशीन खरीदी गई है।
- संयंत्र एवं मशीनरी पर खर्च की गई राशि रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य में कमी है। इसलिए यह रोकड़ बाहिर्वाह का उदाहरण है।

उदाहरण 6

विल्सन प्रा.लि. के तुलनात्मक स्थिति विवरण में भवन खाते की स्थिति इस प्रकार से है :

देयताएँ	*2006 राशि (₹)*	*2007 राशि (₹)*	*संपत्तियाँ*	*2006 राशि (₹)*	*2007 राशि (₹)*
संचित अवक्षयण	7,00,000	7,90,000	भवन	38,40,000	39,10,000

अतिरिक्त सूचना

₹ 74,000 के भवन के एक भाग को ₹ 60,000 में बेचा गया। भवन पर संचित अवक्षयण ₹ 20,000 था। लेन-देन का विश्लेषण कीजिए।

हल :

नीचे दिए गए खाते बनाकर भवन खाते पर प्रभाव डालने वाले विभिन्न लेन–देनों की पहचान की जाएगी :

भवन खाता

नाम जमा

विवरण	*₹*	*विवरण*	*₹*
शेष आ./ला.	38,40,000	रोकड़ अन्तर्वाह	60,000
लाभ-हानि खाता (विक्रय का लाभ)	6,000	संचित अवक्षयण	20,000
बैंक खाता (क्रय)	1,44,000	शेष आ./ले.	39,10,000
	39,90,000		39,90,000

संचित अवक्षयण खाता

नाम जमा

विवरण	*₹*	*विवरण*	*₹*
भवन खाता	20,000	शेष आ/ला.	7,00,000
शेष आ./ले	7,90,000	लाभ-हानि खाता	1,10,000
	8,10,000		8,10,000

टिप्पणी

नोट :

- भवन की बिक्री से लाभ (₹ 6,000) को नीचे दी गई आय (अथवा) लाभ में से घटा दिया जाएगा।
- ₹ 1,44,000 के भवन की खरीद जिसका पता भवन खाते के शेष से लगा है, रोकड़ का बाहिर्वाह है।
- ₹ 1,10,000 जिसे लाभ–हानि खाते में लिखा गया है एक गैर–रोकड़ व्यय है इसलिए इसे दी गई आय (लाभ) में वापस जोड़ दिया जाएगा।

उदाहरण 7

आपको नीचे मै. गिल प्रा.लि. की 2006 एवं 2007 के, कर के लिए प्रावधान के संबंध में सूचना दी गई है।

देयताएँ	*2006 (₹)*	*2007 (₹)*
कर के लिए प्रावधान	15,000	20,000

2006 वर्ष को शुद्ध आय ₹ 50,000 है

यह मानते हुए कि यह एक गैर-चालू देयता है, आप इस मद के साथ क्या व्यवहार करेंगे ?

हल :

वर्ष 2006 के लिए प्रावधान रोकड़ का बहिर्वाह है वर्ष 2007 के प्रावधान के साथ व्यवहार इस प्रकार से होगा।

	(₹)
वर्ष 2007 के लिए शुद्ध आय	50,000
जोड़ : वर्ष 2007 के लिए कर प्रावधान	20,000
परिचालन क्रियाओं से उपलब्ध रोकड़	70,000

उदाहरण 8

नीचे वेनूगोपालन (लि.) से आवश्यक सूचना ली गई है :

देयताएँ	*2006 राशि (₹)*	*2007 राशि (₹)*
कर के लिए प्रावधान	50,000	70,000

वर्ष 2007 में ₹ 40,000 का कर का भुगतान किया गया। यह मान कर कि यह एक गैर चालू मद है आप इसके साथ क्या व्यवहार करेंगे? आपको कर के पश्चात् का शुद्ध लाभ ₹ 80,000 भी दिया गया है।

हल :

इस प्रश्न को हल करने के लिए वर्ष 2007 में लाभ–हानि खाते में लिखी गई कर के लिए प्रावधान की राशि ज्ञात करनी होगी।

कर प्रावधान खाता

नाम जमा

विवरण	₹	*विवरण*	₹
बैंक (भुगतान)	40,000	शेष आ/ला.	50,000
शेष आ/ले.	70,000	लाभ-हानि खाता (शेष राशि)	60,000
	1,10,000		1,10,000

(i) ₹ 40,000 रोकड़ का बाहिर्वाह है

(ii) परिचालन क्रियाओं से रोकड़ की गणना इस प्रकार से की जाएगी :

कर के पश्चात् शुद्ध आय	80,000
जमा कर के लिए प्रावधान जिसे गैर-रोकड़ व्यय माना गया है	60,000
	1,40,000

उदाहरण 9

नीचे दिए गए तुलनात्मक स्थिति विवरण में कर के लिए प्रावधान के संबंध में आवश्यक सूचना दी गई है :

देयताएँ	*2006 (₹)*	*2007 (₹)*
कर के लिए प्रावधान	20,000	30,000

आपको बताया गया है कि ₹ 50,000 वर्ष 2007 के लिए लाभ–हानि खाते में लिखे गए हैं। निर्धारित कीजिए कि कितनी रोकड़ का उपयोग हुआ है ?

टिप्पणी

हल

कर के लिए प्रावधान खाता

नाम जमा

विवरण	₹	विवरण	₹
बैंक (शेष राशि)	40,000	शेष आ/ला.	20,000
शेष आ/ले.	30,000	लाभ-हानि खाता	50,000
	70,000		70,000

टिप्पणी :

₹ 40,000 रोकड़ बाहिर्वाह के रूप में दिखाए जाएँगे।

₹ 50,000 गैर-रोकड़ व्यय माना जाएगा तथा परिचालन से उपलब्ध रोकड़ की गणना के लिए इसे शुद्ध आय में जोड़ दिया जाएगा।

उदाहरण 10

ए. बी. सी. लिमिटेड के संक्षिप्तीकृत रोकड़ खाते से प्रत्यक्ष विधि एवं अप्रत्यक्ष विधि उपयोग करते AS-3 (संशोधित) के अनुसार 31 दिसंबर, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए रोकड़ प्रवाह विवरण बनाइए। कम्पनी के पास कोई रोकड़ तुल्य नहीं हैं।

संक्षिप्तीकृत रोकड़ खाता

नाम जमा

विवरण	(₹000)	विवरण	(₹000)
1.1.2006 को शेष	50	आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान	2,000
समता अंशों का निर्गमन	300	स्थाई संपत्तियों का क्रय	200
ग्राहकों से प्राप्ति	2,800	उपरिव्यय	200
स्थाई संपत्तियों की बिक्री	100	मजदूरी एवं वेतन कर	100
		कर	250
		लाभांश	50
		बैंक ऋण का भुगतान	300
		31.12.2006 को शेष	150
	3,250		3,250

अतिरिक्त सूचना :

वर्ष 2006 के लिए कर से पूर्व शुद्ध लाभ ₹ 5,00,000 था।

टिप्पणी

हल :

ए.बी.सी. लिमिटेड का रोकड़ प्रवाह विवरण

31 दिसंबर, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए (अप्रत्यक्ष विधि)

			₹ 000
(क)	परिचालन क्रियायों से रोकड़ प्रवाह		
	कर पूर्व शुद्ध लाभ	500	
	आयकर का भुगतार	(250)	
	परिचालन क्रियायों से शुद्ध प्रप्ति		250
(ख)	विनियोजन क्रियायों से रोकड़ प्रवाह		
	स्थायी संपत्तियों का नकद क्रय	(200)	
	स्थायी संपत्तियों के विक्रय से प्राप्ति	100	
	विनियोजन क्रियायों में रोकड़ का उपयोग		(100)
(ग)	वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		
	समता अंशों के निर्गमन से प्राप्ति	300	
	बैंक ऋण का भुगतान	(300)	
	लाभांश का भुगतान	(50)	
	वित्तीयन क्रियाओं का शुद्ध रोकड़ उपयोग		(50)
	रोकड़ में शुद्ध वृद्धि (क + ख + ग)		100
	अर्थात् क्रियाओं से शुद्ध नकद प्राप्ति		
	जमा : प्रारंभिक रोकड़		50
	अंतिम रोकड़		150

उदाहरण 11

X लि. के तुलनपत्र निम्नलिखित हैं। रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए :

विवरण	*टिप्पणी सं.*	*31 मार्च, 2014 (₹)*	*31 मार्च, 2013 (₹)*
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक निधि			
(क) अंश पूंजी		25,00,000	20,00,000
(ख) संचय एवं अतिरेक	1	2,30,000	1,00,000
2. चालू देयताएं			
व्यापार देय		4,50,000	7,00,000
कुल		**31,80,000**	**28,00,000**

II. संपत्तियाँ			
1. गैर चालू संपत्तियाँ			
स्थाई संपत्तियाँ : मूर्त संपत्तियाँ (भूमि)		6,60,000	5,00,000
2. चालू संपत्तियाँ			
(क) स्कंध		9,00,000	8,00,000
(ख) व्यापार प्राप्य		11,50,000	12,00,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य		4,70,000	3,00,000
कुल		**31,80,000**	**28,00,000**

खातों पर टिप्पणियाँ

विवरण	*31मार्च, 2014 (₹)*	*31मार्च, 2013 (₹)*
1. संचय एवं अतिरेक		
अतिरेक अर्थात् लाभ–हानि विवरण का शेष	2,30,000	1,00,000

हल :

X लि.
रोकड़ प्रवाह विवरण
31मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष हेतु

विवरण			*₹*
प्रचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह			
वर्ष का लाभ (प्रारंभिक एवं अतिम अतिरेक का अंतर अर्थात् लाभ–हानि विवरण का शेष) (₹ 2,30,000 - ₹ 1,00,000)		1,30,000	
जमा : *चालू सम्पत्तियों में कमी तथा चालू देयताओं में वृद्धि*			
व्यापार प्राप्यों में कमी		50,000	
		1,80,000	
घटा: *चालू सम्पत्तियों में वृद्धि तथा चालू देयताओं में कमी*			
स्कंध में वृद्धि	(1,00,000)		
व्यापार देयों में कमी	(2,50,000)	(3,50,000)	
प्रचालन क्रियाओं में प्रयुक्त रोकड़			(1,70,000)
निवेश क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह			
भूमि क्रय हेतु रोकड़ भुगतान		(1,60,000)	
निवेश क्रियाओं में प्रयुक्त रोकड़			(1,60,000)
वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह			
अंश निर्गमन से प्राप्त रोकड़		5,00,000	
वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह			5,00,000

टिप्पणी

रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्यों में निवल वृद्धि	1,70,000
जमा : प्रारंभ में रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य	3,00,000
अंत में रोकड़ तथा रोकड़ समतुल्य	4,70,000

उदाहरण 12

31 मार्च 2013 तथा 31 मार्च 2014 को पी.एस. लि. के तुलनपत्रों में दी गई सूचना के आधार पर रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए :

विवरण	*टिप्पणी सं.*	*31 मार्च, 2014 (₹)*	*31 मार्च, 2013 (₹)*
I. समता एवं देयताएं			
1. अंशधारक निधि			
(क) अंश पूंजी		2,50,000	2,00,000
(ख) संचय एवं अतिरेक	1	70,000	50,000
2. गैर चालू देयताएं			
दीर्घावधि उधारियां (१२ः ऋणपत्र)		80,000	1,00,000
3. चालू देयताएं			
(क) व्यापार देय	2	1,60,000	60,000
(ख) अन्य चालू देयताएं (अदत्त देयताएं)		20,000	25,000
कुल		**5,80,000**	**4,35,000**
II. संपत्तियां			
1. गैर चालू संपत्तियां			
(क) *स्थाई संपत्तियां :*			
(i) मूर्त संपत्तियां : भूमि तथा भवन		2,80,000	2,00,000
(ii) अमूर्त संपत्तिया : स्वत्वाधिकार		2,000	10,000
(ख) दीर्घावधि ऋण तथा अग्रिम		1,30,000	1,00,000
2. चालू संपत्तियां			
(क) चालू निवेश		5,000	3,000
(ख) स्कंध		90,000	70,000
(ग) व्यापार प्राप्य		60,000	40,000
(घ) रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य		13,000	12,000
कुल		**5,80,000**	**4,35,000**

खातों पर टिप्पणियाँ

विवरण	*31 मार्च, 2014 (₹)*	*31 मार्च, 2013 (₹)*
1. संचय एवं अतिरेक		
अतिरेक अर्थात् लाभ–हानि विवरण का शेष	70,000	50,000

टिप्पणी

2. व्यापार देय		
लेनदार	60,000	40,000
देय विपत्र	1,00,000	20,000
	1,60,000	60,000

हल :

पी.एस. लि.
रोकड़ प्रवाह विवरण
31 मार्च 2014 को वर्ष समाप्ति हेतु

विवरण		₹
I. प्रचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		
अतिरेक का अंतिम शेष अर्थात लाभ–हानि विवरण का शेष		70,000
घटा : अतिरेक का प्रारंभिक शेष अर्थात लाभ–हानि विवरण का शेष		(50,000)
कर तथा असाधारण मदों से पूर्व निवल लाभ		20,000
जमा : कर रोकड़ व्यय : स्वत्वाधिकार अपलिखित	8,000	
गैर प्रचालन व्यय : दीर्घकालिक ऋणों पर ब्याज*	12,000	20,000
कार्यशील पूंजी परिवर्तनों से पूर्व प्रचालन लाभ		40,000
जमा : चालू देयताओं में वृद्धि :		
लेनदारों में वृद्धि	20,000	
देय विपत्रों में वृद्धि	80,000	1,00,000
		1,40,000
घटा : चालू सम्पत्तियों में वृद्धि तथा चालू देयताओं में कमी		
अदत्त व्ययों में कमी	(5,000)	
व्यापार प्राप्यों में वृद्धि	(20,000)	
स्कंध में वृद्धि	(20,000)	(45,000)
प्रचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह (I)		95,000
II. निवेश क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		
भूमि एवं भवन का क्रय		(80,000)
ऋण तथा अग्रिम		(30,000)
निवेश क्रियाओं में प्रयुक्त रोकड़ (II)		(1,10,000)
III. वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह		
अंश निर्गमन से प्राप्तियां		50,000
दीर्घकालिक उधारियों की वापसी		(20,000)
दीर्घकालिक ऋणों पर ब्याज		(12,000)
वित्तीयन क्रियाओं से रोकड़ अन्तर्वाह (III)		18,000
IV. रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्यों में निवल वृद्धि (I + II + III)		**3,000**
V. वर्ष के प्रारंभ में रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य (₹ 3,000 + ₹ 12,000)		**15,000**
VI. वर्ष के अंत में रोकड़ एवं रोकड़ समतुल्य (IV + V) (₹ 5,000 + ₹ 13,000)		**18,000**

* ₹ 1,00,000 के ऋणपत्रों पर ब्याज @ 12%

रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमाएँ

यह सच है कि रोकड़ प्रवाह विवरण आजकल बहुत उपयोगी हैं तथा यह कई उद्देश्यों की पूर्ति करता है। लेकिन इस महत्वपूर्ण साधन का उपयोग करते समय कुछ सावधानियाँ बरतना आवश्यक है। क्योंकि यदि शुद्ध आय को रोकड़ प्रवाह से ठीक से नहीं जोड़ा गया तो परिणाम भ्रमक होंगे। रोकड़ प्रवाह विवरण की कुछ महत्वपूर्ण सीमाएँ नीचे दी गई हैं :

- रोकड़ शब्द की ठीक-ठीक परिभाषा देना बहुत कठिन होता है।
- कुछ ऐसी मदे हैं जो विवादास्पद हैं जैसे कि चेक, डाक टिकट, पोस्टल आर्डर कि इन्हें रोकड़ माना जाए अथवा नहीं।
- आज व्यवसाय नकद के स्थान पर उपार्जन आधारित है इसलिए पूर्वदत्त व्यय एवं उधार लेन–देन कार्यशील पूँजी में वृद्धि परिलक्षित होती हैं तथा शुद्ध आय को रोकड़ प्रवाह के समकक्ष रखना भी अनुचित होगा क्योंकि अनेकों गैर रोकड़ मदें शुद्ध आय को प्रभावित करेंगी।

पाठगत प्रश्न 34.4

रिक्त स्थानों की उचित शब्द भरकर पूर्ति करें :

(i) कर के लिए प्रावधान.....व्यय है।

(ii) अंश पूँजी में वृद्धि.....है।

(iii) स्थायी संपत्तियों का क्रय.....है।

(iv) अंश पूँजी में कमी.....है।

(v) स्थायी संपत्ति का विक्रय.....है।

(vi) ऋणपत्रों का निर्गमन.....है।

आपने क्या सीखा

- रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ के प्रवाह में व्यवहार करता है? जिसमें रोकड़ तुल्य एवं रोकड़ सम्मिलित होता है।
- रोकड़ प्रवाह विवरण AS-3 (संशोधित) के अनुसार बनाया जाता है।
- रोकड़ प्रवाह विवरण बनाने की दो विधियाँ होती है : (i) प्रत्यक्ष विधि (ii) अप्रत्यक्ष विधि
- रोकड़ प्रवाह विवरण रोकड़ अन्तर्वाह एवं बाहिर्वाह के तीन वर्गों को दर्शाता है (i) परिचालन क्रियाएँ (ii) विनियोजन क्रियाएँ एवं (iii) वित्तीयन क्रियाएँ।

टिप्पणी

- परिचालन क्रियायें उद्यम की आगम सृजन करने वाली क्रियाएँ होती है।
- विनियोजन क्रियाओं में दीर्घअवधि संपत्तियों एवं रोकड़ तुल्य सम्मिलित नहीं है।
- वित्तीयन क्रियाएँ वह क्रियायें हैं जिनसे उद्यम की अंश पूँजी एवं उधार के आकार एवं संरचना में परिवर्तन होता है।
- असाधारण मदों से रोकड़ प्रवाह को परिचालन क्रियाओं, विनियोजन क्रियाओं एवं वित्तीयन क्रियाओं से प्रवाह अलग से लिखा जाता है।

पाठान्त प्रश्न

1. रोकड़ प्रवाह विवरण से क्या अभिप्रायः है? रोकड़ प्रवाह विवरण के उद्देश्यों को बताइए।
2. AS-3 (संशोधित) के अनुसार 'रोकड़' की परिभाषा दीजिए। रोकड़ प्रवाह विवरण बनाते समय विभिन्न क्रियाओं AS-3 (संशोधित) के आधार पर किस प्रकार से वर्गीकृत किया जाता है?
3. परिचालन क्रियाओं के कोई तीन उदाहरण दीजिए।
4. विनियोजन क्रियाओं के कोई तीन उदाहरण दीजिए
5. X लि. को निम्न स्थिति विवरणों से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए :

विवरण	*नोट सं.*	*31 मार्च 2014 (₹)*	*31 मार्च 2013 (₹)*
I. समता एवं देयताएं			
1. अंश धाकरक कोष			
(क) अंश पूँजी	1	2,00,000	1,80,000
(ख) संचय एवं अधिक्य	2	6,400	6,000
2. गैर चालू देयताएँ			
दीर्घकालिक ऋण			
10% ऋण पत्र		14,000	12,000
3. चालू देयताएँ			
(क) अल्पावधि ऋण (अधिविकर्ष)		13,600	25,000
(ख) व्यापार देयताएँ (लेनदार)		22,000	24,000
(ग) लघु अवधि प्रावधान	3	20,000	16,000
		2,76,000	**2,63,000**
II. परिसम्पत्तियाँ			
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ			
स्थाई सम्पत्तियां	4	1,50,000	1,60,000

टिप्पणी

2. चालू सम्पत्तियाँ			
(क) व्यापारिक प्राप्ताएं		48,000	40,000
(ख) संगृहित माल		71,000	60,600
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		7,000	2,400
		2,75,000	**2,63,000**

खातों से संबन्धित नोट :

विवरण		*31 मार्च 2014 (₹)*	*31 मार्च 2013 (₹)*
1. अंश पूँजी			
अंश पूँजी		1,80,000	1,55,000
10% पूर्वाधिकार अंश		20,000	25,000
2. संचय एवं आधिक्य			
सामान्य संचय		4,000	4,000
अधिक्य अर्थात लाभ–हानि		2,400	2,000
विवरण में शेष		**6,400**	**6,000**
3. लघु अवधि प्रावधान			
कर के लिए प्रावधान		8,000	5,000
प्रस्तावित लाभांश		12,000	11,000
		20,000	16,000
4. स्थाई सम्पत्तियाँ			
लागत		18,000	1,82,000
घटा एकत्रित अवक्षयण		30,000	22,000
		1,50,000	**1,60,000**

6. विवेक लि. के नीचे दिए गए स्थिति विवरण में रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	नोट सं.	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
I. समता एवं देयताएँ			
1. अंशधारक कोष			
(क) अंश पूँजी	1	2,90,000	2,50,000
(ख) संचय एवं अधिक्य	2	72,000	50,000
2. चालू देयताएं			
व्यापारिक देयताएं		5,000	23,000
		3,67,000	3,23,000
II. सम्पत्तियाँ			
1. गैर चालू सम्पत्तियां			
स्थाई सम्पत्तियां			
(क) मूर्त	3	1,50,000	1,40,000

(ख) अमूर्त		20,000	30,000
2. चालू सम्पत्तियाँ			
(क) व्यापार प्राप्तियाँ		1,60,000	1,20,000
(ख)		20,000	18,000
(ग) रोकड़		17,000	15,000
कुल योग		**3,67,000**	**3,23,000**

खातों से सम्बन्धित नोट :

विवरण		**31 मार्च 2014**	**31 मार्च 2013**
1. अंश पूँजी			
समता अंश पूँजी		2,50,000	2,00,000
12% पूर्वाधिकार अंश पूँजी		40,000	50,000
		2,90,000	**2,50,000**
2. संचय एवं अधिक्य			
सामान्य संचय		55,000	35,000
अधिक्य अर्थात लाभ–हानि के विवरण में शेष		17,000	15,000
		72,000	50,000
3. स्थाई सम्पत्तियाँ			
भवन		80,000	1,00,000
संयन्त्र		70,000	40,000
		1,50,000	**1,40,000**

अतिरिक्त सूचना :

संयन्त्र पर अवक्षयण ₹ 30,000 एवं भवन पर ₹ 50,000।

(परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह ₹ 52,000 निवेश क्रियायों पर रोकड़ व्यय ₹ 90,000 वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह ₹ 40,000)

रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य में शुद्ध वृद्धि ₹ 2,000।

7. कुमार लि. के नीचे दिए गए 31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2013 को स्थिति विवरणों से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए :

विवरण	**नोट सं.**	**31 मार्च 2014 (₹)**	**31 मार्च 2013 (₹)**
I. समत्ता एवं देयताएँ			
1. अंशधारक कोष			
(क) अंश पूँजी	1	16,00,000	10,40,000
(ख) संचय एवं अधिक्य	2	5,50,000	2,60,000
2. गैर चालू देयताएँ			
दीर्घ अवधि ऋण			
9% ऋण पत्र		4,00,000	6,00,000

टिप्पणी

3. चालू देयताएँ		
व्यापारिक देयताएँ	4,50,000	1,00,000
कुल योग	**30,00,000**	**20,00,000**
II. परिसम्पत्तियाँ		
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ		
स्थाई सम्पत्तियाँ	20,00,000	15,00,000
2. चालू सम्पत्तियाँ		
(क)	3,00,000	2,00,000
(ख) व्यापारिक प्राप्तियाँ	2,00,000	1,00,000
(ग) रोकड़ एवं तुल्य	5,00,000	2,00,000
	30,00,000	20,00,000

खातों से सम्बन्धित नोट

1. अंश पूँजी		
समता अंश पूँजी	15,00,000	10,00,000
7% पूर्वाधिकार अंश पूँजी	1,00,000	40,000
	16,00,000	10,40,000
2. संचय एवं अधिक्य		
अधिक्य अर्थात लाभ–हानि विवरण में शेष	1,50,000 4,00,000	2,00,000 60,000
समान्य संचय	5,50,000	2,60,000

अतिरिक्त सूचना

1. वर्ष में ₹ 20,000 की मशीनरी को ₹ 6,000 में बेचा गया।

2. लाभांश का भुगतान ₹ 50,000।

(परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह ₹ 5,50,000 निवेश क्रियाओं पर रोकड़ का भुगतान ₹ 5,14,000 वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह ₹ 2,56,000 रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य ₹ 3,00,000)

कर पूर्व शुद्ध लाभ की गणना	₹
शुद्ध हानि	(50,000)
जमा लाभांश	50,000
सामान्य संचय में हस्तान्तरण कर पूर्व शुद्ध लाभ	3,40,000
	3,40,000

8. X लि. के निम्न स्थिति विवरणों से रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	नोट सं.	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
I. समता एवं देयताएं			
1. अंश धारक कोष			
(क) अंश पूँजी		4,00,000	3,00,000
(ख) संचय एवं अधिक्य अर्थात लाभ–हानि विवरण में शेष		1,10,000	85,000
2. गैर चालू देयताएँ			
दीर्घकालिक ऋण :			
बैंक ऋण		75,000	1,00,000
3. चालू देयताएँ			
(क) व्यापार देयताएँ (लेनदार)		2,95,000	3,10,000
(ख) अल्प अवधि प्रावधान		60,000	45,000
		9,40,000	**8,40,000**

खातों से सम्बन्धित नोट :

विवरण	31 मार्च 2014	31 मार्च 2013
1. लघु अवधि प्रावधान		
प्रस्तावित लाभांश	60,000	45,000
2. स्थाई सम्पत्तियाँ	5,50,000	4,00,000
घटा संचित अवक्षयण	1,35,000	80,000
	4,15,000	3,20,000
3. व्यापारिक प्राप्यताएँ		
देनदार	1,90,000	2,10,000
बिल प्राप्य	1,10,000	80,000
	3,00,000	2,90,000

अतिरिक्त सूचना :

₹ 6,00,000 लागत की मशीनरी जिस पर संचित अवक्षयण ₹ 15,000 था की बिक्री ₹ 30,000।

परिचालन क्रियायों से रोकड़ प्रवाह ₹ 1,20,000 निवेश क्रियाओं पर रोकड़ उपयोग ₹ 1,80,000 वित्तीय क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह ₹ 30,000।

9. बिरेन्द्र लि. के 31 मार्च 2014 एवं 31 मार्च 2013 को स्थिति विवरण दीए है:

विवरण	नोट सं.	31 मार्च 2014 (₹)	31 मार्च 2013 (₹)
I. समता देयताएँ			
1. अंशधारक कोष			
(क) अंश पूँजी		7,20,000	6,00,000

टिप्पणी

(ख) संचय एवं अधिक्य अर्थात लाभ–हानि विवरण में शेष	4,80,000	3,75,000
2. गैर चालू देयताएँ		
दीर्घकालिक ऋण		
10% ऋण पत्र	2,70,000	4,50,000
3. चालू देयताएँ		
व्यापार देयताएँ	1,20,000	90,000
कुल योग	**15,90,000**	**15,15,000**
II. परिसम्पत्तियाँ		
1. गैर चालू सम्पत्तियाँ		
स्थाई सम्पत्तियाँ	7,50,000	7,20,000
2. चालू सम्पत्तियाँ		
(क) व्यापार प्राप्ताएँ	3,00,000	2,25,000
(ख) स्कन्ध	3,60,000	4,20,000
(ग) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	1,80,000	1,50,000
	15,90,000	**15,15,000**

विवरण			*31 मार्च 2014 (₹)*	*31 मार्च 2013 (₹)*
भूमि			2,40,000	3,00,000
	2014	*2013*		
संयन्त्र एवं मशीनरी	7,50,000	6,00,000		
घटा : संग्रहित अवक्षयण	2,40,000	1,80,000	5,10,000	4,20,000
			7,50,000	7,20,000

अतिरिक्त सूचना :

1. अन्तरिम लाभांश ₹ 75,000 का वर्ष के दौरान भुगतान किया गया।
2. वर्ष में ऋण पत्रों पर ब्याज का भुगतान किया

रोकड़ प्रवाह विवरण तैयार कीजिए

परिचालन क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह ₹ 2,82,000 निवेश क्रियाओं पर रोकड़ बहि प्रवाह ₹ 90,000

वित्तीय क्रियाओं में रोकड़ का उपयोग ₹ 1,62,000

2013–14 वर्ष का लाभ

रोकी गई अर्जित आय	1,05,000
लाभांश का भुगतान	75,000
कर एवं अति विशिष्ट मदों से पूर्व शुद्ध लाभ	1,80,000

चाल पूँजी परिवर्तन पूर्व परिचालन लाभ =

1,80,000 + 60,000 (अवक्षयण) + 27,000 (ऋण पत्रों पर ब्याज)

टिप्पणी

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

34.1 (i) रोकड़ तुल्य (ii) वित्तीयन (iii) रोकड़ बहिर्वाह (iv) रोकड़ तुल्य

34.2 (i) सूचिकृत (ii) अप्रत्यक्ष

34.3 (i) परिचालन क्रियाएँ (ii) वित्तीयन क्रियाएँ (iii) विनियोजन क्रियाएँ
(iv) विनियोजन क्रियाएँ (v) विनियोजन क्रियाएँ

34.4 (i) गैर परिचालन (ii) रोकड़ अंतर्वाह (iii) रोकड़ बाहिर्वाह
(iv) रोकड़ बाहिर्वाह (v) रोकड़ अंतर्वाह (vi) रोकड़ अंतर्वाह

क्रियाकलाप

संयुक्त पूँजी कम्पनी के कार्यालय जाएँ तथा कम्पनी द्वारा तैयार किए गए रोकड़ प्रवाह विवरण का अध्ययन करें। लिखी गई मदों की सूची तैयार करें जो निम्न क्रियाओं से कोषों में वृद्धि एवं कमी कर सकती है :

(क) परिचालन क्रियाएँ

(ख) विनियोजन क्रियाएँ

(ग) वित्तीयन क्रियाएँ

क्रिया		
परिचालन	1.	1.
	2.	2.
विनियोजन	1.	1.
	2.	2.
विनीयन	1.	1.
	2.	2.